

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 606
23 जुलाई, 2026 को उत्तर देने के लिए

इंस्पायर कार्यक्रम की प्रगति

606# श्री घनश्याम तिवाड़ी:

श्री केसरीदेवसिंह झाला:

श्री रायगा कृष्णैया:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले पाँच वर्षों के दौरान इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च (इंस्पायर) कार्यक्रम के अंतर्गत हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है, जिसमें घटक-वार सहायता प्राप्त विद्यार्थियों एवं युवा शोधकर्ताओं की संख्या भी शामिल हो;

(ख) क्या सरकार मेधावी छात्रों को विज्ञान में उच्च शिक्षा और अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु इंस्पायर कार्यक्रम को मजबूत करने का प्रस्ताव करती है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) विशेष रूप से ग्रामीण, दूरदराज और आकांक्षी जिलों में इस कार्यक्रम के अंतर्गत पहुंच और भागीदारी में सुधार के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ग): पिछले पांच वर्षों के दौरान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के 'इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च' (इंस्पायर) कार्यक्रम ने अपने चार प्रमुख घटकों के माध्यम से शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्र के विभिन्न चरणों में वैज्ञानिक प्रतिभाओं का सुव्यवस्थित पोषण एवं संवर्धन किया है। इंस्पायर मानक (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज) 10-17 वर्ष (कक्षा VI-XII) की आयु वर्ग के छात्रों को अपने मौलिक विचारों और नवाचारों को विकसित करने और प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करके उनमें नवाचार और वैज्ञानिक रचनात्मकता को बढ़ावा देता है। उच्च शिक्षा के लिए इंस्पायर छात्रवृत्ति (शी) के अंतर्गत, प्राकृतिक और मूलभूत विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर अध्ययन कर रहे 17-22 वर्ष की आयु वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 80,000 रुपये की दर से 12,000 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इंस्पायर अध्येतावृत्ति मेधावी स्नातकों और इंस्पायर अध्येताओं को पांच वर्षों तक वित्तीय सहायता प्रदान करके पूर्णकालिक पीएचडी कार्यक्रमों के माध्यम से अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिसमें जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के रूप में 37,000 रुपये प्रति माह और सीनियर रिसर्च फेलोशिप (एसआरएफ) के रूप में 42,000 रुपये प्रति माह तथा मकान किराया भत्ता (एचआरए) और 20,000 रुपये प्रति वर्ष का आकस्मिक अनुदान भी शामिल है। इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति, आम तौर पर 27-32 वर्ष की आयु के (आरक्षित श्रेणियों के लिए लागू आयु-सीमा में छूट के साथ) उत्कृष्ट पोस्ट-डॉक्टरल

अनुसंधानकर्ताओं को पांच वर्ष की अध्येतावृत्ति के माध्यम से सहायता प्रदान करती है। अध्येताओं को अध्येतावृत्ति की अवधि के दौरान हर माह 1,25,000 रुपये की राशि, 2,000 रुपये की वार्षिक वेतन वृद्धि तथा शोध कार्य के लिए 35 लाख रुपये का अनुसंधान अनुदान मिलता है।

सरकार 'इनोवेशन इन साइंस परसूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च' (इंस्पायर) कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रही है, ताकि मेधावी छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा और अनुसंधान कार्य के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। पिछले पाँच वर्षों के दौरान घटक-वार इंस्पायर गतिविधियाँ तथा सहायता प्राप्त छात्रों और युवा शोधकर्ताओं की संख्या का घटक-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

कार्यक्रम/वित्तीय वर्ष	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26
इंस्पायर-मानक	52720	43381	46926	50009	49805
इंस्पायर-शी	18039	19771	18236	20354	24276
इंस्पायर अध्येतावृत्ति	2768	2872	2811	2448	3364
इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति	474	338	299	225	477

देश की युवा पीढ़ी द्वारा नवाचारी अनुसंधान को प्रोत्साहित एवं सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इन घटकों के प्रभाव की निरंतर निगरानी एवं विश्लेषण किया जा रहा है, ताकि इनके रणनीतिक योजना निर्माण को सुगम बनाया जा सके।

(घ) सरकार ने इंस्पायर कार्यक्रम की जागरूकता और समावेशिता का बड़े स्तर पर विस्तार करने के लिए कई लक्षित क्रियाकलापों की श्रृंखला का संचालन किया है, जिनमें देश भर के ग्रामीण, दूर-दराज़ के और आकांक्षी ज़िलों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन प्रयासों में राज्य शिक्षा विभागों, ज़िला शिक्षा अधिकारियों, विद्यालयों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए सूचना का व्यापक और गहन प्रसार शामिल है; साथ ही, नामांकनों की गुणवत्ता और पहुँच को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों और विद्यालय प्राधिकारियों के लिए जागरूकता अभियान, अभिमुखीकरण कार्यक्रम, वेबिनार और क्षमता-वर्धन कार्यशालाएँ आयोजित करना भी इसमें शामिल है; तथा विद्यालयी छात्रों के बीच नवाचारों की पहचान करने, उन्हें मान्यता देने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए ज़िला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों और परियोजना प्रतियोगिताओं (डीएलईपीसी, एसएलईपीसी और एनएलईपीसी) का आयोजन किया जाता है। नवाचार पारितंत्र को और सुदृढ़ करने के लिए, आईआईटी, एनआईटी, आईआईएसईआर जैसे प्रमुख संस्थानों और अन्य अग्रणी वैज्ञानिक संगठनों के साथ मिलकर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें चयनित छात्रों को प्रोटोटाइप विकास, नवाचार और वैज्ञानिक अनुसंधान के बारे में मार्गदर्शन दिया गया है। इन निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों और हमारे समाज के सभी वर्गों के लोगों की इन कार्यक्रमों में समावेशी भागीदारी सुनिश्चित हो सकी है।

ग्रामीण और दूर-दराज़ के ज़िलों से आने वाले विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को नवाचार अनुदान, परामर्श सहयोग तथा राष्ट्रीय मंचों पर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा के प्रदर्शन के अवसरों से लाभान्वित होने का अवसर मिला है। समग्र रूप से, इन पहलों ने वैज्ञानिक सोच को मज़बूत किया है, जिज्ञासा और खोज की संस्कृति को बढ़ावा दिया है, ज़मीनी स्तर पर नवाचारों को प्रोत्साहित किया है, विज्ञान शिक्षा, छात्रवृत्तियों और शोध अध्येतावृत्तियों तक समान पहुँच का विस्तार किया है तथा देश के अधिकांश क्षेत्रों से आने वाली युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं की श्रृंखला को व्यापक बनाया है।
